बिस्मिल्लाहिर्रह्मानिर्रहीम

अल्लाहुम्म सल्लि अला मुहअम्मदिंव्व अला आली मुहम्मदिन

इज्तेमा' महेदी(अ.स) ऑर ई'सा(अ.स) ना मुम्किन (अहादीस)

अल कुरआनः ऑर बेशक वो *(ईसा अलॅहिस्सलाम)* खयामत की अलामत होंगे, पस तुम हर गिज़ इस में शक ना कर्ना ऑर मेरी पॅर्वी कर्ते रह्ना, ये सीधा रास्ता हॅ। *(43:61)*

1: हज़्रत जा'फ़र सादिक़ रज़ी अल्लाहु अन्हु रिवायत कर्ते हें के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलॅहि व आलिहि व सल्लम ने फ़र्माया - वो उम्मत कॅसे हलाक हो सक्ती हॅ जिस के शुरू में मॅ *(सर्दारे दो आलम)* हूँ, दर्मियांन में महेदी ऑर आखिर मेम मसीह हें। *(रज़ीन, हाकिम, अबू नईम, मिश्काथ, कन्ज़ुल आमाल, अल कुनुजी, अल इर्बाली, इब्ने असाकर, तारीक़ दमिश्क, इब्न अल मुग़ाज़ली - मुनाक़िब अली, अल कुनजी - अल बयान, जामि' अल सुयुती, अल जुवेनी - फ़तएद अल सिम्तैन फ़ी फ़ज़एल अल सिब्तैन, अल अलाइ - अत तह्सील, जलालुद्दीन सुयुती - तारीख अल खुल्फ़ा)*

2: हज़्रत अनस रज़ी अल्लाहु अन्हु से रिवायत हॅ के फ़र्माया रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलॅहि व आलिहि व सल्लम ने तुम में से जो शख्स ईसा इब्न मर्यम अलॅहिस्सलाम को पाए तो मेरी जानिब से उन को सलाम पहुन्चायें। *(हाकिम)*

3:फ़र्माया रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलॅहि व आलिहि व सल्लम ने तुम्हारा क्या हाल होगा जब्के तुम में इब्ने मर्यम नाज़िल होंन्गे वो तुम्हारी इमामत करेनगे। *(मुस्लिम)*

4: हज़्रत सय्यद्ना अबू सईद खुद्री रज़ी अल्लाहु अन्हु कह्ते हें के रसूल्लुल्लाह सल्लल्लाहु अलॅहि व आलिहि व सल्लम ने फ़र्माया - जब दो खलीफ़ों से बेअत की जाए, तो जिस से आखर में बॅअत हुई हो उस को मार डालो *(इस लिये के उस की खिलाफ़त पह्ले खलीफ़ के होते हुए बातिल हॅ)। (मुस्लिम)*

5: हज़्रत सय्यद्ना हुज़ीफ़ बिन असेद ग़फ़्फ़ारी रज़ी अल्लाहु अन्हु कह्ते हें के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलॅहि व आलिहि व सल्लम हमारे पास आए ऑर हम बातें कर रहे थे - आप सल्लम ने फ़र्माया के तुम क्या बातें कर रहे हो? हम ने कहा के क़्यामत का ज़िकर करते थे। आप सल्लम ने फ़र्माया के क़यामत क़ायम ना होगी जब तक के दस निशानियाँ उस से पह्ले नहीं देख लोगे। फ़िर ज़िकर किया धुवें का, दज्जाल का, ज़मीन के जान्वर का, सूरज के मग़रिब से निकल्ने का, ईसा अलॅहिस्सलाम के उतरने का, याजूज माजूज के निकल्ने का, तीन जगे ख़सफ़ का यानी ज़मीन का धँस्ना एक मषरिक़ में, दूसरे मग़रिब में, तीसरे जज़ीरह अरब में। ऑर इन सब निशानियों के बाद एक आग पॅदा होगी जो यमन से निक्लेगी ऑर लोगों को हांक्ती हुई मह्शर की तरफ़ ले जाए गी *(मह्शर शाम की ज़मीन हॅ)। (मुस्लिम)*

6: हज़्रत नुअस बिन सम'आन रज़ी अल्लाहु अन्हु से रिवायत हॅ के रसूलुल्लाह सल्लेल्लाहु अलॅहि व आलिहि व सल्लम ने एक सुबाह को दज्जाल का ज़िकर किया तो कभी उस को घटाया ऑर कभी बढ़ाया *(यानी कभी इस की तह्क़ीर की ऑर कभी इस की फ़ित्ने को बडा कहा या कभी बुलन्द आवाज़ से गुफ़्तगू की ऑर कभी पस्त आवाज़ से),* यहाँ तक के हम ने गुमान किया के दजाल् खजूर के दर्ख्तों के झुन्द मे है । फिर जब शाम के वक़्त हम आप सल्लल्लाहु अलॅहि व आलिहि व सल्लम के पास गये तो आप सल्लल्लाहु अलॅहि व आलिहि व सल्लम ने हमारे चहरों पर उस का असर मालूम किया *(यानि डर ऑर खॊफ़)*।

आप सल्लल्लाहु अलॅहि व आलिहि व सल्लम ने फ़र्माया के तुम्हरा क्या हाल हॅ? हम ने अर्ज़ किया के या रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलॅहि व आलिहि व सल्लम! आप ने दज्जाल का ज़िकर किया ऑर उस को घटाया ऑर बढ़ाया, यहाँ तक के हमें गुमान हो गया के दज्जाल उन खजूर के दरख्तों मे मॊजूद हॅ *(यानी उस का आना बहुत क़रीब हॅ)।*रसूलुल्लाह सल्लेल्लाहु अलॅहि व आलिहि व सल्लम ने फ़र्माया के मुझे दज्जाल के सिवा ऑर बातों का तुम पर खॊफ़ ज़्यादा हॅ *(यानी फ़ित्नों का ऑर आपस की लडाइयों का),* अगर दज्जाल निक्ला ऑर मॅ तुम लोगों में मॊजूद हुवा तो तुम से पह्ले मॅ उस का मुक़ाबला हूँगा *(इस से लडाई करुन्गा)* ऑर तुम्हें उस्के शर से बचाऊंगा ऑर अगर वो निक्ला ऑर मॅ तुम लोगों में मॊजूद ना हुवा तो हर मर्द *(मुसल्मान)* अप्नी तरफ़ से उस से मुक़ाबला करेगा ऑर अल्लाह ता'ला हर मुसल्मान पर मेरा खलीफ़ा ऑर निगह्बान होगा। अलबत्ता दज्जाल तो जवान, घुन्रियाले वाले बालौं वाला हॅ, उस की आन्ख उभ्री हुई हॅ गोया के मॅ उस की मुशाबहत अब्दुल अ'ज़ा बिन क़तन के साथ देता हूँ। पस तुम में से जो श्ख्स दज्जाल को पाए ,उस को चाहिए के सूरह कहफ़ की शुरू की आयतें उस पर पढे। यक़ीनन वो शाम ऑर ईराक़ के दर्मियान की राह से निक्लेगा तो अप्ने दाएँ ऑर बाएँ हाथ फ़साद फॅलायेगा। अए अल्ला पाक के बन्दो! ईमान पर क़ायेम रह्ना।

सहाब रज़ी अल्लाहु अन्हु बोले के या रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलॅहि व आलिहि व सल्लम! वो ज़मीन पर कित्नी मुद्दत रहेगा? आप सल्लल्लाहु अलॅहि व आलिहि व सल्लम ने फ़र्माया के चालीस दिन तक, उन में से एक दिन एक साल के ब्राबर होगा, एक दिन एक महीने के बराबर, एक दिन एक हफ़्ता के बराबर ऑर बाक़ी दिन जॅसे ये तुम्हारे दिन हें *(तो हमारे दिन के हिसाब से दज्जाल एक बरस दो महीने ऑर चॊदह दिन तक रहेगा)* सहाब रज़ी अल्लाहु अन्हु ने अर्ज़ किया के या रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलॅहि व आलिहि व सल्लम! जो दिन साल भर के बराबर होगा, उस दिन हमें एक ही दिन की नमाज़ें किफ़ायत करेगी? आप सल्लल्लाहु अलॅहि व आलिहि व सल्लम ने फ़र्माया के नहीं, तुम उस दिन में *(साल की नमाज़ों का) (अब तो घडीयाँ भी मॊजूद हें उन से वक़्त का अन्दाज़ा बखूबी हो सक्ता हॅ। नूववी रह्मतुल्लाह अलॅह ने कहा के अगर आप सल्लल्लाहु अलॅहि व आलिहि व सल्लम यूँ साफ़ ना फ़र्मते तो क़यास ये था के उस दिन सिर्फ़ पाँच नमाज़ें पढ़ना काफ़ी होतीं, क्योंके हर*

दिन रात में ख्वाह वो कित्ना ही बडा हो, अल्लाह ता'ला ने पाँच नमाज़ें फ़र्ज़ की हें मगर ये क़यास नस से तरक किया गया हे। मुतर्जिम कह्ते हें के अर्ज़ तिस'ईन में खते इस्तवा से नवे दर्जे पर वाक़े' हे ओर जहाँ का अफ़क़ मा'दल अल निहार हे, छे महीने का दिन ओर छे महीने रात होती हे तो एक दिन रात साल भर का होता हे, पस अगर बिल्फ़र्ज़ इन्सान वहाँ पहुन्च जाए ओर ज़िन्दा रहे तो साल में पाँच नमाज़ पढ़ना होगी)।

सहाबा रज़ी अल्लाहु अन्हु ने अर्ज़ किया के या रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलेहि व आलिहि व सल्लम! उस की चाल ज़मीन पर केसे होगी? आप सल्लेल्लाहु अलेहि व आलिहि व सल्लम ने फ़र्माया के उस बाद्ल की तरह जिस को हवा पीछे से उड़ाती हे। पस वो एक क़ोम के पास आएगा ओर उन को दावत देगा, वो उस पर ईमान लायेन्गे ओर उस की बात मानेन्गे। पस वो आस्मान को हुक्म करेगा तो वो पानी बर्सायेगा ओर ज़मीन को हुक्म करेगा तो वो घास ओर अनाज उगादे गी। शाम को उन के जान्वर आयेन्गे तो उन के कोहान पह्ले से ज़्यादा लम्बे होंगे, थन कुशादा होंगे ओर कोखें तनी हुई *(यानी खूब मोटी होकर)।* फिर दज्जाल दूस्री क़ोम के पास आएगा - उन को भी दा'वत देगा, लेकिन वो उस की बात को ना मानेन्गे। तो उन की तरफ़ से हट जायेगा ओर उन पर क़हत साली ओर खुश्की होगी। उन के हाथों में उ के मालों से कुछ ना रहेगा। ओर दज्जाल वीरान ज़मीन पर निक्लेगा तो उस से कहेगा के आए ज़मीन! अप्ने खज़ाने निकाल, तो वहाँ के माल ओर खज़ाने निकल कर उस के पस ऐसे जमा हो जायेंगे जेसे शहद की मख्खियाँ सर्दार मख्खी के गिर्द हुजूम कर्ती हें। फिर दज्जाल एक जवान लड्के को बुलायेगा ओर उसे तल्वार से दो टुक्डे कर डालेगा जेसे नशाना दो टोक हो जाता हे, फिर उस को ज़िन्दा करके पुकारेगा,पस वो जवान दमक्ते हुए चेह्रे के साथ हँस्ता हुआ साम्ने आयेगा। सो दज्जाल उसी हाल में होगा के अचानक अल्लाह ता'ला सय्यद्ना ईसा बिन मर्यम अलेहिस्सलाम को भेजेगा।

ईसा अलेहिस्सलाम दमश्क़ के शेहर में मषरिक़ की तरफ़ सफ़ेद मिनार के पास उत्रेन्गे, वो ज़र्द रन्ग का जोडा पह्ने हुएहोंगे ओर अप्ने दोनों हाथ दो फ़रिषतों के बाज़ुओं पर रखे हुए होंगे। जब ईसा अलेहिस्सलाम अप्ना सर झुकायेंगे तो पसीना टप्केगा ओर जब अप्ना सर उठायेंगे तो मोती की तरह बून्दें बहेंगीं। जिस काफ़िर तक ईसा अलेहिस्सलाम के दम की खुश्बू पहुँचेगी, वो मर जायेगा ओर उन के दम का असर वहाँ तक पहुँचेगा जहाँ तक उन की नज़र पहुँचेगी। फिर ईसा अलेहिस्सलाम दज्जाल को तलाश करेंगे यहाँ तक कि उसको बाबे लुद (नामी पहाड़ जो के शाम में है) पर मौजुद पा कर उसको क़तल करदेंगे।

फिर ईसा अलेहिस्सलाम के पस वो लोग आयेन्गे जिन को अल्लाह पाक ने दज्जाल के शर से बचाया होगा। पस वो शफ़क़त से उन के चेह्रों को सह्लायेंगे ओर उन को उन दर्जों की खबर देंगे जो जन्नत में उन के लिये रखे हें। वो उसी हाल में रहेंगे के अल्लाह पाक ईसा अलेहिस्सलाम पर वही भेजेगा के मे ने अप्ने ऐसे बन्दे निकाले हें के किसी को उन से लड्ने की ताक़त नहीं, तुम मेरे मुसल्मान बन्दों को *तूर (पहाड)* की तरफ़ पनाह में लेजाओ ओर अल्लाह पाक याजूज ओर माजूज को भेजेगा ओर वो हर एक ऊन्चान से निकलपडेंगे। उन के पह्ले लोग तब्रस्तान के दर्या पर गुज़रेंगे ओर उस का सारा पानी पी लेंगे। फिर उन में से पिछ्ले लोग जब वहाँ आयेंगे तो कहेंगे कि कभी इस दर्या में पानी भी था। *(फिर चलेंगे यहाँ तक के उस पहाड़ तक पहुँचेंगे जहाँ दरख्तों की कस्रत हे या'नी बेतुल मुक़द्दस का पहाड़ तो वो कहेंगे के अल्बत्ता हम ज़मीन वालों को तो क़तल कर चुके, अब आव आस्मान वालो को क़तल करें तो अप्ने तीर आस्मान की तरफ़ चलायेंगे। अल्लाह ता'ला उन तीरों को खून में भर कर लोटादेगा, वो ये सम्झेंगे के आस्मान के लोग भी मारे गये (ये मज़्मून उस रिवायत में नहीं हे बल्के उस के बाद की रिवायत से लिया गया हे)* ओर अल्लाह ता'ला के पेग़म्बर ईसा अलेहिस्सलाम ओर उन के अस्हाब बन्द रहेंगे यहाँ तक के उन के नज़्दीक बेल का सर तुम्हारी आज की सो अश्रफ़ी से अफ़्ज़ल होगा *(यानी खाने की निहायत तन्गी होगी)*।

फिर अल्लाह पाक के पेग़मबर ईसा अलेहिस्सलाम ओर उन के साथी दुआ करेन्गे, पस अल्लाह पाक याजूज माजूज के लोगों पर अज़ाब भेजेगा तो उन की गर्दनों में कीडा पेदा होगा तो सुबाह तक मर्जायेंगे जेसे एक आद्मी मर्ता हे फिर अल्लाह पाक के रसूल ईसा अलेहिस्सलाम ओर उन के साथी ज़मीन पर उत्रेंगे तो ज़मीन में एक बालिश्त बराबर जगे उन की सडान्द ओर गन्दगी से खाली ना पायेंगे *(यानी तमाम ज़मीन पर उन की सड़ी हुई लाषें पड़ी होंगी)* फिर अल्लाह के रसूल ईसा अलेहिस्सलाम ओर उन के साथ के लोग अल्लाह से दुआ करेंगे तो अल्लाह पाक बडे ऊन्टों की गर्दन के बराबर परिन्दे भेजेगा, वो उन को उठा ले जायेंगे ओर वहाँ फेन्क देंन्गे जहाँ अल्लाह का हुक्म होगा, फिर अल्लाह ता'ला ऐसा पानी बर्सायेगा के फिर ज़मीन को हुक्म होगा के अप्ने फल जमा' ओर अप्नी बर्कत को फेरदे उस दिन अनार को एक ग्रोह खायेगा ओर उस के छिल्के को बन्ला सा बना कर उस के साये में बेठेंन्गे ओर दूध में बर्कत होगी, यहाँ तक के दूध वाली ऊन्ट्नी आद्मीयों के बडे ग्रोह को किफ़ायत करेगी ओर दूध वाली गाए एक बिरादरी के लोगों को किफ़ायत करेगी ओर दूध वाली बक्री एक पूरे खान्दान को किफ़ायत करेगी। पस लोग इसी हालत में होंगे के एकाएक अल्लाह ता'ला एक पाक हवा भेजेगा,वो उन के बग़लों के नीचे लगेगी ओर असर कर जायेगी तो हर मोमिन ओर मुस्लिम की रूह को क़ब्ज़ करेगी ओर बुरे बद्बख्त लोग बाखी रह जायेन्गे, गधों की तरह सरेआम ओरतों से जमा' करेन्गे ओर उन पर क़्यामत क़ायम होगी। *(मुस्लिम)*